25-8-2020

बाल कोश - वार्ता - जाकिर खां S/o गागन खां
गांव सिनावड़ा

विवरण (साराश) - ये कविता रिड़मल जी की है।

रिड़मल जी एक महावीर एवं धर्मी व्यक्ति था इसको सिर्फ घोड़ो का सोक था और उसके अरिए उनके पास नौ लख्य घोड़ा था और उनकी भाभी रिड़मल जी को कहती है आप के नाम का एक नारेल आया था आप घर पर नही थे आप का भाई भारमल जी बराल ले कर निकला है अमर कोर मैं आप से निवेदन करती हूं आप के भाई का पाग बन्धा को अमर कोर की यह निशानी है। और रिड़मल जी घोड़ा ले कर रवाना हो जाता है।

विवरण - (साराश) - लुण सिंह जी जोगीदास गांव के रहने वाला है जिन्होंने लाल सिंह का वेर लिया था लाल सिंह को हरलाल जाट ने जमीन के सिलसिलो में मार दिया था। फिर खुद डॉन बन कर घुमता रहा।